भाजपा-कांग्रेस के सीएम चेहरे की कर्नाटक में अच्छी- खासी पकड़

नई दिल्ली 12 मई (ए)। कर्नाटक विधानसभा चुनाव के परिणाम बीजेपी और कांग्रेस के लिए बेहद मायने रखता है। बीजेपी इस चुनाव के जरिए दक्षिण भारत में अपने कदम जमाने की कोशिश कर रही है वहीं कांग्रेस राज्य में अपना किला बचाने के लिए जद्दोजहद कर रही है। माना जा रहा है कि कर्नाचक चुनाव 2019 का रास्ता तय करेगा क्योंकि इसके बाद कई राज्यों जैसे राजस्थान, मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों में चुनाव होने है। कर्नाटक के नतीजे इन राज्यों में भी असर डाल सकते है। बीजेपी और कांग्रेस दोनों की ही राज्य में अच्छी खासी पकड़ है। तो आईये जानते है बीजेपी के सीएम चेहरे येदियुरप्पा और कांग्रेस के सीएम चेहरे सिद्धारमैया का राजनीतिक सफर।

कौन है सिद्धारमैया : मुख्यमंत्री सिद्धारमैया की अगुवाई वाली कांग्रेस सरकार ने एक साल पहले तैयारी शुरू कर दी थी। सिद्धारमैया जेडीएस छोड़कर कांग्रेस में शामिल हुए थे । वह एन धरम सिंह के नेतृत्व वाली सरकार में उपमुख्यमंत्री थे। जब एच डी देवगौड़ा प्रधानमंत्री बने तब साल 1996 में वकील से नेता बने सिद्धारमैया मुख्यमंत्री की बनते बनते रहे गए। सिद्धारमैया कुरूबा समुदाय के हैं। ये जाति राज्य की तीसरी सबसे बड़ा जाती है। सिद्धारमैया को मुख्यमंत्री पद की दौड़ में जे एच पटेल ने पीछे उस वक्त पीछे छोड़ दिया था। देवगौडा और पटेल दोनों जब मुख्यमंत्री थे तब सिद्धारमैया वित्त मंत्री रहे थे।

कौन है बी एस येदियुरप्पा : बुकंकरे सिद्दालिंगप्पा येदियुरप्पा (68) कर्नाटक में भाजपा के पहले मुख्यमंत्री के रूप में तीन साल दो महीने शासन कर चुके हैं। हमेशा सफेद सफारी सूट में नजर आने वाले येदियुरप्पा नवम्बर 2007 में जनता दल (एस) के साथ गठबंधन सरकार गिरने से पहले भी कुछ समय के लिए मुख्यमंत्री रहे थे। यदुरप्पा ने एपने राजनीतिक सफर की शुरुआत 1972 में शिकारीपुरा तालुका के जनसंघ अध्यक्ष के रूप में की थी। इमरजेंसी के वक्त भी वो बेल्लारी और शिमोगा की जेल में भी रहे। यहां से उन्हें इलाके के किसान नेता के रूप में जाना जाने लगा था। साल 1977 में जनता पार्टी के चसिव पद पर काबिज होने के साथ ही राजनिति में उनका कद और बढ़ गया।

1988 में पहली बार चुने गए थे बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष : कर्नाटक की राजनीति में येदियुरप्पा को नजरअंदाज करना मुश्किल है। क्योंकि साल 1988 में ही बीजेपी ने उन्हें प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया था। साल 1983 में में पहली बार शिकारपुर से विधायक चुने गए थे। छह बार उन्होंने यहा से जीत हासिल की। 1994 के विधानसभा चुनावों में हार के बाद येदियुरप्पा को असेम्बली में विपक्ष का नेता बना दिया गया। सन् 1999 में वो चुनाव हार गए थे इसके बीद बीजेपी ने उन्हें स्ष्ट बना दिया। राज्य में जिन दो जातियों के हाथ में राजनीति रही है वो हैं लिंगायत और वोक्कालिगा। अधिकतर कर्नाटक में मुख्यमंत्री इसी समुदाय से ही रहे हैं। पिछले चुनाव में बीजेपी को कांग्रेस से जो हार मिली उससे बीजेपी को इत ना तो समझ आ गया है कि बिना येदियुरप्पा के कर्नाटक में सरकार बनाना मुश्किल है।

बजट में लुभावने वादे

चुनाव से पहले सिद्धारमैया सरकार ने चुनाव से पहले अपना लगातार छठा बजट पेश किया। सरकार का ये बजट काफी लोकलुभावना बजट था। सरकार ने घोषणा की कि वो 5.93 लाख कर्मचारियों और 5.73 लाख पेंशनरों पर 10,508 करोड़ रुपए खर्च करेगी। साथ ही कर्मचारियों के वेतन में 30 प्रतिशत की वृद्धि की सिफारिश की। साथ ही मुख्यमंत्री अनिला भाग्य योजना की घोषणा की है। इस योजना के तहत दो चूल्दे वाला गैस स्टोव और दो गैस सिलेंडर निशुल्क दिए जाएंगे। किसानों के लिए रैयत बेलाकू योजना का ऐलान किया है। जिसके तहत वर्षा पर निर्भर खेती करने वाले प्रत्येक किसान को अधिकतम 10,000 रुपए और न्यूनतम 5000 रुपए प्रति हेक्टेयर के हिसाब से राशि उनके बैंक खातों में भेज दी जाएगी।

येदियुरप्पा पर लगे है ये आरोप

- **साल 2004:** जमीन घोटाले और अवैध खनन घोटाले के भी आरोप लगे
- **साल 2010:** आरोप लगा की उन्होंने बेंगलुरु में प्रमुख जगहों पर अपने बेटों को भूमि आवंटित करने के लिए अपने पद का दुरुपयोग किया।

सिद्धारमैया ने खेला ये दाव

राज्य में अपनी सत्ता को बनाए रखेने के लिए सिद्धारमैया ने एक साथ कई दाव खेले है। सिद्धारमैया के इन दावों ने बीजेपी के लिए भारी मुश्किले खड़ी कर दी है।

लिंगायत : लिंगायत को अलग धर्म का दर्जा दिए जाने की मांग रख दी। हालांकि लिंगायत इस मांग को लेकर लंबे समय से मांग कर रहे थे कि उन्हें हिंदु धर्म से अलग दर्जा दिया जाए। कर्नाटक सरकार ने नागमोहन समिति की सिफारिशों को स्टेट माइनॉरिटी कमीशन एक्ट की धारा 2 डी के तहत मंजूर कर लिया गया। अब इससे आगे का फैसला केंद्र सरकार को लेना है।

राज्य का अलग झंडा

चुनाव से पहले सरकार ने राज्य के झंडे को भी स्वीकृति दे दी है। राज्य के अलग झंडे के लिए भी केंद्र सरकार ने ही अनुमति लेनी होगी। इस मुद्दे पर भी कांग्रेस ने बीजेपी को एक तरह से घेर लिया है। मुख्यमंत्रई सिद्धारमैया शुरू से ही अलग झंडे का विरोध करते थे लेकिन अब उन्होंने कहा कि क्या संविधान में कोई ऐसा प्रावधान है जो कि राज्य को अपना झंडा रखने से रोकता हो? साथ ही कहा कि इसका चुनाव से कोई लेना देना नहीं है।

भाषा को बढ़ावा : कांग्रेस ने इस मुद्दे को भी भुनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। सिद्धारमैया ने बेंगलुरु के नए मेट्रो स्टेशन में सारे हिंदी साइन बोर्ड हटवा दिए है।

मंत्री नईम अख्तर की चाह : संघर्षविराम के लिए अखिल पार्टी प्रतिनिधिमंडल में शामिल हो अलगाववादी

श्रीनगर 12 मई (ए)। पी.डब्लु.डी. मंत्री और प्रदेश सरकार के प्रवक्ता नईम अख्तर ने अलगाववादियों के संयुक्त प्रतिरोध नेतृत्व (जे.आर.एल.) से अखिल पार्टी प्रतिनिधिमंडल में शामिल होने का आग्रह किया। अखिल पार्टी प्रतिनिमंडल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात करके सुरक्षाबलों द्वारा रमजान में एकतरफा संघर्षविराम की मांग करेंगे। एक स्थानीय समाचार एजेंसी को अख्तर ने बताया कि संघर्षविराम का प्रस्ताव सार्वजनिक डोमेन में है और हम संघर्षरिाम पर सभी वर्गों और राजनीतिक विचारधाराओं के लोगों से बयानों का स्वागत करते हैं। उन्होंने कहा कि संघर्षविराम पर वार्ता के लिए दिल्ली जाने वाले अखिल पार्टी प्रतिनिधिमंडल में जे.आर.एल. भी शामिल हो सकता है और कश्मीरियों की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए संघर्षविराम प्रस्ताव पर पाकिस्तान को भी जवाब देना चाहिए। अख्तर ने कहा कि यदि तत्काल प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी और पाकिस्तान के मजबूत नेता परवेज मुशर्रफ 'शांति और संघर्षविराम' के रास्ते पर चल सकते हैं तो वर्तमान में भारत और पाकिस्तान के नेता कश्मीरियों की भावनाओं का सम्मान करने के लिए ऐसा क्यों नहीं कर सकते हैं। जे.आर.एल. अलगाववादियों का समूह है जिसका नेतृत्व सैयद अली शाह गिलानी, मीरवायज उमर फारुक और मोहम्मद यासीन मलिक करते हैं।

पाक्सो एक्ट बनने के बाद भी नहीं थम रही दरिंदगी, रियासी में 11 वर्षीय बच्ची के साथ गैंगरेप

जम्मू 12 मई (ए)। रियासी जिले में 11 वर्षीय बच्ची के साथ गैंगरेप का मामला सामने आया है। यह मामला टांडा इलाके का है। पुलिस ने इस संदर्भ में एफआईआर दर्ज कर ली है। जानकारी के अनुसार बच्ची को अगवा करके उसके साथ दरिंदगी की गई। पुलिस के अनुसार इस मामले में दो लोगों पर आरोप है जिनमें से एक आरोपी को पकड़ लिया गया है। हांलाकि पुलिस ने इस मामले में अभी पूरी जानकारी नहीं दी है।

उमर ने राजनाथ से दिल्ली में कश्मीरियों को पीटने के मामले की जांच को कहा

श्रीनगर 12 मई (ए)। नैशनल कॉन्फ्रेंस के कार्यकारी अध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने गृहमंत्री राजनाथ सिंह से अनुरोध किया कि वह दिल्ली में महिलाओं सहित कश्मीरियों के एक समूह की कथित पिटाई की घटना की समुचित जांच सुनिश्चित करवाएं। दक्षिण पूर्व दिल्ली की सनलाइट कालोनी में गुरुवार की रात को 30-40 लोगों के समूह ने चार महिलाओं सहित पांच कश्मीरियों को घेरकर उनकी कथित तौर पर पिटाई की थी। पूर्व मुख्यमंत्री ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर गृह मंत्रालय और केंद्रीय गृहमंत्री राजनाथ सिंह को लिखा कि कृपया इसकी फौरन जांच करवाइए और दोषियों को सजा दिलवाइए। उमर ने कहा कि कश्मीरियों पर अलग-थलग होने का आरोप लगाया जाता है। उन्होंने सवाल किया कि घाटी के बाहर जब इस तरह से कश्मीरियों के साथ किया जाएगा तो भला उनसे और क्या उम्मीद की जा सकती है।

पानी को लेकर भिड़े दो गुटों में हिंसक झड़प, 1 की मौत व 25 घायल

औरंगाबाद 12 मई (ए.)। महाराष्ट्र के औरंगाबाद में दो गुटों के बीच हिंसक झड़प हो गई। इसमें करीब 25 लोग घायल हो गए। वहीं हिंसा को बढ़ते देख औरंगाबाद के कई इलाकों में धारा 144 लगी दी है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक पानी को लेकर यह हिंसक घटना हुई जिसमें एक युवक की भी मौत हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने आंसू गोले छोड़े और हवाई फायरिंग भी की। बेकाबू भीड़ ने कई दुकानों में तोड़फोड़ भी की और आगजनी की।

वाइल्ड लाइफ सफारी पड़ गई महंगी चीते ने बोल दिया धावा

हेग 12 मई (ए)। वाइल्ड लाइफ सफारी की सैर क फ्रैंच फैमिली उस समय भारी पड़ गई जब उन पर अचानक चीतों ने आक्रमण कर दिया। हालांकि परिवार चीतों के इस हमले से सुरक्षित बच गया। जब यह घटना घटी तब वहां पर कई और टूरिस्ट भी अपनी गाड़ियों से पहुंचे गए। उन्हीं में से किसी एक ने इसे अपने कैमरे में कैद कर लिया। वीडियो में देखा जा सकता है कि फ्रैंच परिवार के 5 सदस्य गाड़ी से उतरकर पास में बनी एक छोटी से पहाड़ीनुमा जगह पर पहुंचा है। यहां पर कुछ चीते आराम कर रहे थे। उन लोगों को देख दो चीते उनकी ओर लपके। चीतों को अपनी ओर आता देख वे लोग गाड़ी की ओर भागने लगे। वहीं समूह में मौजूद महिला की गोद में एक बच्चा था जिस कारण से वह धीमे-धीमे चल रही थी। आश्चर्यजनक बात यह रही कि चीते महिला के पास पहुंच गए लेकिन उन्होंने हमला नहीं किया। इसके बाद जैसे-तैसे यह परिवार चीतों के चुंगल से बचने में सफल हो गया। घटना साउथ नीदरलैंड के बीक्स बर्गन द्वारा संचालित अफ्रीकन वाइल्डलाइफ सफारी की है। जहां पर आने वाले पर्यटकों को गाड़ी से बाहर ना आने के सख्त आदेश हैं। इसके बावजूद भी फ्रैंच परिवार ने निर्देशों के नजरअंदाज किया और पार्क के बीच में गाड़ी से उतर कर चीतों वाले इलाके में पूछ गए। तभी वहां एक गाड़ी में अन्य समूह पहुंचा जिसने कैमरे को ऑन रखा हुआ था।

कैलिफोर्निया के हाईलैंड हाईस्कूल में हुई गोलीबारी

हाईलैंड 12 मई (ए)। केलिफोर्निया के हाईलैंड हाईस्कूल में गोली चलने का मामला सामने आया है। मामले की सूचना पुलिस को दे दी गई है, यह घटना स्थानीय समयानुसार दोपहर 1 बजे की है। शेरिफ के कार्यलाय से एक न्यूज चैनल को बताया गया कि कैलिफोर्निया के पामडेल में हाईलैंड हाईस्कूल के परिसर में एक बंदूकधारी युवक घुस आया है और उसने परिसर में गोलीबारी शुरू कर दी है। शेरिफ के कार्यालय ने कहा कि कोई भी हिरासत में नहीं है और किसी को कोई के हताहत होने की खबर नहीं है। हाईलैंड हाई स्कूल लॉस एंजिल्स से 65 मील की दूरी पर स्थित है। स्कूल लॉकडाउन पर है। हाल ही में अमेरिका के एक कॉलेज में भी गोलीबारी का मामला सामने आया था, जिसमें दो छात्रों की मौत हो गई थी। ऐसा पहली बार नहीं कि अमेरिका के स्कूलों में गोलीबारी हुई है। इससे पहले भी कई मामले सामने आ चुके हैं।

तालिबान के हमले में 30 से अधिक पुलिसकर्मियों की मौत

हेरात 12 मई (ए)। तालिबान आतंकवादियों ने अफगानिस्तान के पश्चिमी फराह प्रांत में गुरुवार रात भर कई पुलिस अड्डों पर हमले करके 30 से अधिक पुलिसकर्मियों की हत्या कर दी। फराह प्रांतीय परिषद के प्रमुख फरीद बख्तावर ने शुक्रवार को बताया कि आतंकवादियों ने बालाबुलुक में गुरुवार रात एक पुलिस अड्डे पर हमला किया। हमले में कम से कम 23 पुलिसकर्मी मारे गए और तीन अन्य घायल हो गए। फराह शहर में हुए एक अन्य हमले में तालिबान आतंकवादियों ने 11 पुलिसकर्मियों की हत्या कर दी और भारी मात्रा में हथियार एवं उपकरण लूट लिए। गौरतलब है कि पिछले सप्ताह तालिबानी आतंकवादियों ने उत्तरी प्रांत बगलान पर कब्जा कर लिया और इसके बाद से फारयाब और गजनी के बीच लगातार लड़ाई जारी है।

'जलती कार' में तब्दील हुई चलती कार

मन्दसौर 12 मई (ए)। पिपलिया मंडी थाना क्षेत्र में पोवल्ली मार्ग पर चलती कार में आग लग गई। आग इतनी भयंकर थी कि देखते ही देखते कुछ ही पलों में कार पूरी तरह जल गई। कार में आग की वजह स्पार्किंग बताई जा रही है। कार सवार लोगों ने जलती कार से कूदकर अपनी जान बचाई। गनीमत यह रही कि इस हादसे में किसी तरह का जानी नुकसान नहीं हुआ है। जानकारी के अनुसार मिस्त्री का काम करने वाले दिनेश प्रजापत दो साथियों के साथ एमपी 44 बीसी 0652 गाड़ी से गांव सूपड़ा गए हुए थे। ऐसे में घर वापस लौटते वक्त पोवल्ली मार्ग पर कार की वायरिंग में स्पार्किंग हुई और देखते ही देखते ही देखते कार धू-धूकर जल उठी।

रेलवे में नौकरी दिलाने के नाम पर 11 लोगों से 1.1 करोड़ की ठगी

पूर्वी दिल्ली 12 मई (ए.)। रेलवे में टिकट निरीक्षक की नौकरी दिलाने के नाम पर 11 लोगों से 1.1 करोड़ की ठगी का मामला सामने आया है। पुलिस ने जांच के बाद आरोपी की पहचान कर मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। मामला मानसरोवर पार्क इलाके का है जहां 2 महिला समेत सात लोगों ने वारदात को अंजाम दिया। शिकायतकर्ता बीएस राजावत और मांगी लाल प्रजापत ने पुलिस को बताया कि वे परिवार के साथ राजस्थान में रहते हैं। उनके कुछ रिश्तेदार राजधानी के द्वारका और विवेक विहार इलाके में रहते हैं। राजस्थान के जयपुर में एक सामाजिक संस्था के कार्यक्रम में उनकी मुलाकात छह आरोपियों से हुई थी। जिन्होंने अपने आप को वायुसेना का कैप्टन, कृषि वैज्ञानिक और अन्य आरोपियों ने इसी तरह खुद को बड़ा अधिकारी बताया और अपना ठिकाना दिल्ली बताया।

वडोदरा गेंगरेप मामले में नया मोड़ : युवती ने कहा-' रेप हुआ ही नहीं'

वडोदरा 12 मई (ए)। शहर के नवलखी मैदान में BF के साथ बर्थ डे मनने गई युवती से हुए गेंगरेप मामले पर अब नया मोड़ आ गया है। अब युवती और उसके परिवार वाले कह रहे हैं कि रेप हुआ ही नहीं है। जो तीन युवक वहां आए थे, उन्होंने खुद को सुरक्षाकर्मी बताते हुए उनसे सोने-चांदी की अंगूठी, 2 मोबाइल फोन मिलाकर कुल 16 हजार की लूट करके फरार हो गए। रावपुरा पुलिस ने अपराध दर्ज किया। पहले यह कहा गया था कि युवती जब अपने क्र्न्न के साथ नवलखी मैदान में बैठी थी। तभी वहां तीन लोग पहुंचे और युवक को बांध दिया और युवती से गेंगरेप किया, फिर वहां से फरार हो गए। बहुत मुश्किल से युवक-युवती सड़क पर पहुंचे, वहां से किसी तरह अपने दोस्तों को फोन करके बुलाया। फिर लक्ष्य ट्रस्ट के माध्यम से पुलिस थाने में गेंगरेप की रिपोर्ट लिखवाई। बाद में युवती और उसके परिवार वाले अपने बयान से पलट गए।

स्वास्थ्य मंत्री ने साधा निशाना, बोले-सत्ता से बाहर होकर निराश हैं कांग्रेस नेता

शिमला 12 मई (ए)। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री विपिन सिंह परमार ने कहा कि कांग्रेस के कुछ नेता सत्ता से बाहर होने के बाद निराश एवं हताश हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार के लगभग 4 माह के कार्यकाल पर टिप्पणी करने वाले नेताओं को अपनी सरकार के समय की घटनाओं को याद करना चाहिए। उन्होंने जारी बयान में आरोप लगाया कि राजधानी शिमला में बालक युग की निर्मम हत्या तथा गुड़िया के साथ किए गए

अमानवीय कृत्य से पूरा प्रदेश शर्मसार हुआ है।

वर्तमान सरकार ने बिगड़ती कानून व्यवस्था को पुनः पटरी पर लाया : उन्होंने कहा कि कांग्रेस के नेताओं को इस प्रकार के आधारहीन बयान देने से पहले यह ज्ञात होना चाहिए कि उनके कार्यकाल में एक अबोध बालक व एक स्कूल की छात्रा भी सुरक्षित नहीं थी। उन्होंने आरोप लगाया कि गुडिया हत्याकांड में दोषियों को पकडना तो दूर, सरकार व पुलिस बचाने में लगी रही, जिससे हत्याकांड की गुत्थी सुलझाने के लिए गठित विशेष जांच टीम हत्या के आरोप में सलाखों के पीछे है। इस प्रकरण से प्रदेशवासियों का पुलिस बल से विश्वास ही उठ गया था लेकिन वर्तमान सरकार ने बिगड़ती कानून व्यवस्था को पुन॰ पटरी पर लाया है। उन्होंने कांग्रेस नेताओं को सुझाव दिया कि वे इस तरह के राजनीतिक शगूफे छोडना बंद करें, क्योंकि देश व प्रदेश के लोग उनके बहकावे में आने वाले नहीं हैं। उन्होंने कहा कि आज पूरा देश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ खड़ा है और एक नए भारत व श्रेष्ठ भारत के निर्माण का सपना देख रहा है।

वन विभाग की अवैध कब्जाधारियों पर बड़ी कार्रवाई, 18 बीघा वन भूमि से काटे 600 पेड़

कुल्लू 12 मई (ए)। वन विभाग ने हाईकोर्ट के निर्देश पर अवैध कब्जाधारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई शुरू कर दी है। वन विभाग की टीम ने वन भूमि पर अवैध कब्जों की निशानदेही के साथ ही तुरंत कब्जे हटाने की मुहिम तेज कर दी है। विभाग की टीम ने गत 3 दिन के भीतर 32 बीघा वन भूमि को अवैध कब्जाधारियों से मुक्त करवाया है। वहीं शुक्रवार को भी वन विभाग की टीम ने जिला मुख्यालय से सटी खराहल घाटी के बोडसू व बिजली महादेव बीट में हुए अवैध कब्जे को हटाया है। वन व राजस्व विभाग की टीम ने पहले निशानदेही करवाई और बाद में 18 बीघा 17 बिस्वा वन भूमि से अवैध कब्जे को हटाया। इस दौरान सेब के 600 पेड़ काट दिए गए।

विभाग की कार्रवाई से अवैध कब्जाधारियों में मचा हड़कंप : आर.ओ. कुल्लू बलदेव शर्मा की अगुवाई में टीम ने अवैध कब्जे हटाने की प्रक्रिया आरंभ की। वन विभाग की कार्रवाई से अवैध कब्जाधारियों में हड़कंप मच गया है। वन विभाग की ओर से अवैध कब्जे हटाने की प्रक्रिया जारी है। शनिवार को भी वन विभाग की टीम अवैध कब्जों की निशानदेही के बाद कब्जों को हटाएगी। डी.एफ.ओ. कुल्लू नीरज चड्ढा ने कहा कि वन विभाग वन मंडल के तहत विभिन्न वन बीट में हुए अवैध कब्जों को छुड़ाएगा। उन्होंने कहा कि अवैध कब्जे छुड़ाने के बाद कांटेधार तार से बाड़बंदी की जाएगी।

पंजाब के राज्यपाल ने कहा, रामसेतु बनाने में किया गया था प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल

मोहाली 12 मई (ए)। पंजाब के राज्यपाल वी पी सिंह बदनौर ने आज कहा कि भगवान राम के लंका पहुंचने के लिए एक पुल बनाया जाना प्राचीन काल में प्रौद्योगिकी के उपयोग का एक ''प्रमाण'' था। उन्होंने कहा कि उस दौर में फ्र्कई उन्नत हथियारोंफ्र का उपयोग किया गया था। बदनौर ने राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस पर मोहाली में राष्ट्रीय भेषज शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (एनआईपीईआर) में कहा कि भगवान राम ने समुद्र पार करने के लिए एक सेतु बनाया और हनुमान जी लक्ष्मण के लिए संजीवनी बूटी लाये थे। यह प्राचीन काल में प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल का एक प्रमाण था। एक आधिकारिक बयान के अनुसार उन्होंने दावा किया कि ''उस समय कई उन्नत हथियारों'' का भी इस्तेमाल किया गया था। त्रिपुरा के मुख्यमंत्री बिप्लब कुमार देब ने लगभग एक महीने पहले दावा किया था कि महाभारत के दौरान इंटरनेट और परिष्कृत उपग्रह संचार प्रणाली मौजूद थी। इस बयान के बाद आज बदनौर का यह बयान आया। त्रिपुरा के राज्यपाल तथागत रॉय ने हालांकि देब का बचाव करते हुए कहा था कि उनकी टिप्पणी विषय के सन्दर्भ में थी।

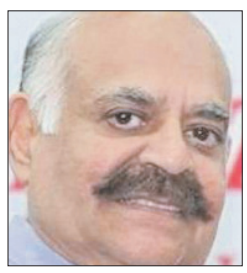

ट्रंप-किम मुलाकात के सीक्रेट से उठा पर्दा, नई चेतावनी आई सामने

वाशिंगटन 12 मई (ए.)। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन और अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच सिंगापुर में 12 जून को ऐतिहासिक मुलाकात होने वाली है। व्हाइट हाउस ने इस बैठक के सीक्रेट से पर्दा उठा दिया है। व्हाइट हाउस ने बैठक मुख्य एजेंडे के बारे में बताया कि ट्रंप इस मुलाकात में कोरियाई प्रायद्वीप को पूरी तरह परमाणु मुक्त बनाने पर जोर देंगे।इसके साथ ही व्हाइट हाउस ने उत्तर कोरिया को चेताया है कि वह किसी तरह की उकसावे वाली हरकत न करे। ऐसा करने पर अमेरिका शिखर वार्ता स्थगित करने पर विवश हो जाएगा। व्हाइट हाउस के उप प्रेस सचिव राज शाह ने कहा, हमारी नीति कोरियाई प्रायद्वीप के पूर्ण और स्थिर परमाणु निरस्त्रीकरण को सुनिश्चित करना है। ट्रंप इसी मकसद से प्रयास करेंगे। भारतवंशी शाह ने उत्तर कोरिया को आगाह करते हुए कहा, हमारे पास अभी भी वक्त है। इस दौरान कई चीजों मसलन उत्तर कोरिया की उकसावे वाली किसी भी तरह की हरकत को बर्दाशत नहीं किया जाएगा। शाह ने कहा कि ऐतिहासिक मुलाकात के लिए सिंगापुर को चुनने की वजह यह है कि उसके साथ अमरीका और उत्तर कोरिया दोनों के राजनयिक संबंध हैं। सिंगापुर ट्रंप और किम की सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ ही निष्पक्ष माहौल भी मुहैया कराएगा।शाह ने बताया कि ट्रंप और किम के मुलाकात के प्रस्ताव को स्वीकार करने से पहले उत्तर कोरिया इस बात पर सहमत हुआ कि वह बैलिस्टिक मिसाइल और परमाणु परीक्षण नहीं करेगा। उसने यह भरोसा भी दिया कि वह अमरीका-दक्षिण कोरिया के संयुक्त सैन्य अभ्यास पर कुछ नहीं बोलेगा। सिंगापुर के प्रधानमंत्री ली सीन लुंग ने शुक्रवार को कहा कि उनके देश में ट्रंप और किम के बीच होने वाली ऐतिहासिक शिखर वार्ता शांति की दिशा में बड़ा कदम होगा।